संख्या- 47/2023/444/छप्पन-2023-60/1993

प्रेषक,

आनन्द कौशिक,
अनु सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

निदेशक,
नागरिक उड्डयन,
उ0प्र0, लखनऊ।

नागरिक उड्डयन अनुभाग लखनऊ: दिनांक: 29 मार्च, 2023

विषय: जनपद श्रावस्ती स्थित हवाई अड्डे के विकास एवं विस्तारीकरण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्रांक 330/आर0सी0एस0-2023-बी-1/2022 दिनांक 27 मार्च, 2023 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा जनपद श्रावस्ती स्थित हवाई अड्डे के विकास/ विस्तारीकरण हेतु अनुमानित लागत रू0 3,35,27,68,291/- (रूपए तीन अरब पैंतीस करोड़ सत्ताइस लाख अड़सठ हजार दो सौ इक्यान्नवे मात्र) की वित्तीय स्वीकृति जिलाधिकारी, श्रावस्ती के निवर्तन हेतु जारी करने का प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद श्रावस्ती एयरपोर्ट के विकास/ विस्तारीकरण के लिए प्रथम एवं द्वितीय चरण हेतु प्रस्तावित कुल 267.0696 हैक्टेयर अतिरिक्त भूमि के क्रय हेतु कुल अनुमानित लागत रू0 3,35,27,68,291/- (रूपए तीन अरब पैंतीस करोड़ सत्ताइस लाख अड़सठ हजार दो सौ इक्यान्नवे मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति तथा स्वीकृति के सापेक्ष सम्पूर्ण धनराशि रू0 3,35,27,68,291/- (रूपए तीन अरब पैंतीस करोड़ सत्ताइस लाख अड़सठ हजार दो सौ इक्यान्नवे मात्र) की चालू वित्तीय वर्ष 2022-2023 में व्यय की अनुमति सहित जिलाधिकारी, श्रावस्ती के निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करती हैं:-

(1) निदेशक, नागरिक उड्डयन द्वारा प्रस्तावित धनराशि को आहरित कर किसी बैंक खाते में नहीं रखा जायेगा। अवमुक्त धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार एवं नियमानुसार किया जायेगा।

(2) निदेशक, नागरिक उड्डयन यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रायोजना का सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात् ही कार्य कराया जाएगा। कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी निदेशक, नागरिक उड्डयन की होगी।

(3) निदेशक, नागरिक उड्डयन यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रश्नगत कार्य किसी अन्य कार्ययोजना में सम्मिलित नहीं है तथा इस हेतु पूर्व में किसी अन्य योजना/स्रोत से धनराशि स्वीकृति नहीं की गई है।

(4) निदेशक, नागरिक उड्डयन द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रश्नगत वित्तीय स्वीकृति जिस कार्य/मद हेतु की जा रही है, उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्य/मद हेतु किया जाएगा।

2/...

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(5) निदेशक, नागरिक उड्डयन यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रस्तावित कार्यों की द्विरावृत्ति नहीं हो रही है।

(6) निदेशक, नागरिक उड्डयन द्वारा वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 07 जून, 2022 द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

(7) उक्त स्वीकृति धनराशि के आहरण एवं व्यय से सम्बन्धित पक्षों द्वारा वित्तीय नियमों/ आदेशों/प्रक्रिया का अनुपालन किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

(8) परियोजना की लागत में टाइम ओवर रन/कास्ट ओवर रन न हो। अत: इस सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्गत दिशा-निर्देश एवं बजट मैनुअल के प्रस्तर-212(vi) में दिए गए निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

(9) स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत प्राविधानों, समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों के अनुरूप किया जाएगा।

(10) जिलाधिकारी, श्रावस्ती को निर्देशित किया जाता है कि यदि प्रश्नगत धनराशि में से कोई बचत होती है, तो बचत की धनराशि जिलाधिकारी, श्रावस्ती द्वारा राजकोष में जमा कराई जाएगी।

(11) निदेशक, नागरिक उड्डयन से यह अपेक्षा की जाती है कि वे भूमि के क्रय हेतु अपेक्षित अग्रेतर कार्यवाही जिलाधिकारी, श्रावस्ती से शीघ्रतापूर्वक सम्पन्न कराने का कष्ट करें।

(12) निदेशक, नागरिक उड्डयन द्वारा स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष व्यय का विवरण यथासमय शासन को उपलब्ध कराया जाएगा।

3- उक्त स्वीकृत धनराशि रू0 3,35,27,68,291/- (रूपए तीन अरब पैंतीस करोड़ सत्ताइस लाख अड़सठ हजार दो सौ इक्यान्नवे मात्र) निदेशक, नागरिक उड्डयन द्वारा तत्काल आवंटित कर जिलाधिकारी, श्रावस्ती के निर्वतन पर रखी जायेगी और जिलाधिकारी, श्रावस्ती द्वारा यथा आवश्यकता समय-समय पर सम्बन्धित पक्षों को नियमानुसार भुगतान किया जाएगा।

4- उक्त धनराशि वित्तीय वर्ष 2022-2023 के अनुदान संख्या-38 पूंजी लेखा "लेखाशीर्ष ''5053-नागर विमानन पर पूंजीगत परिव्यय-02-विमानपत्तन-800-अन्य व्यय-20-हवाई पट्टियों के निर्माण, विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण तथा भूमि अर्जन-60-भूमि क्रय'' से वहन की जाएगी।

5- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या: ई-7- 548/दस-2022-23, दिनांक 29 मार्च, 2023 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किए जा रहे हैं।

भवदीय,
आनन्द कौशिक
अनु सचिव

3/...

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

संख्या- 47/2023/444(1)/छप्पन-2023, तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1- महालेखाकार-प्रथम (लेखा एवं हकदारी), प्रथम, उ0प्र0, प्रयागराज।

2- उप महालेखाकार/ई0एस0-।।।, आडिट भवन, टीसी-35-वी-1, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-10

3- आयुक्त, देवीपाटन मण्डल, गोण्डा।

4- जिलाधिकारी, श्रावस्ती।

5- निदेशक, भूमि अध्याप्ति, राजस्व परिषद, उ0प्र0, लखनऊ।

6- मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ/श्रावस्ती।

7- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-7/नियोजन अनुभाग-1/राजस्व अनुभाग-13.

8- समीक्षा अधिकारी (बजट)/गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
आनन्द कौशिक
अनु सचिव

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।